डा0 बी0 आर0 ए0 राजकीय महिला स्ना0 महा0, फतेहपुर

01–07–2020

रिपोर्ट

''देखो अपना देश'' के अन्तर्गत वेबिनार की श्रृंखला में आज 'भारतीय पारम्परिक गीतों, नृत्यों एवं वाद्य यंत्रों की प्रासंगिकता'' विषय पर आयोजन

डा0 बी0 आर0 ए0 राजकीय महिला स्ना0 महा0, फतेहपुर के **एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ** के तत्वाधान में **''देखो अपना देश'' के अन्तर्गत वेबिनार की श्रृंखला के आयोजन** में आज ''**भारतीय पारम्परिक गीतों, नृत्यों एवं वाद्य यंत्रों की प्रासंगिकता''** विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना की प्रस्तुति श्रीमती प्रियंका पाण्डेय, लखनऊ के द्वारा डांस फार्म के रूप में की गयी । महाविद्यालय प्राचार्य एवं पैटर्न डा0 अपर्णा मिश्रा के द्वारा मुख्य अतिथि डा0 एच0पी0 सिंह, संयुक्त निदेशक उ0 शि0 उ0 प्र0 एवं समस्त आगन्तुको का स्वागत करते हुये वेबिनार के आज के विषय पर चर्चा करते हुये कहा कि संगीत से जुडी तमाम विधाओं में प्रत्येक विधा मनुष्य और समाज के लिये आवश्यक है। संगीत भाषा से परे है जो भी कर्ण प्रिय लगे वह अपने आप समझ में आ जाता है। उन्होने प्रतिभाग कर रहे विभन्न भाषाओं के प्रदेशों से जुडे मुख्य वक्ता एवं तमाम रिसोर्स परसनस को वेबिनार में सम्मिलित होकर अपने ज्ञान के प्रवाह से ओत–प्रोत करने के संकल्प की सराहना की। वेबिनार की विषय वस्तु डा0 प्रतिमा गुप्ता, आर्गेनाईजिंग सेक्रेटरी एवं नोडल अधिकारी एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ ने प्रस्तुत करते हुए कहा कि वेबिनार का संकल्पित मंत्र भारतीय सांस्कुतिक विविधता के रंग, एकता के संग ही आज के विषय के मूल में है। संगीत एक जादू है जो किसी भी प्रकार या भाषा में सुना जाये वह मन को आनन्दित करता है। आज का विषय इन्ही सब बातों पर श्रोताओं एवं दर्शकों की मूल भावना को अहलादित करने के प्रयास का एक क्रम है। आज के उद्धाटन सत्र की मुख्यवक्ता श्रीमती सुचरिता गुप्ता वर्सेटाईल आर्टिस्ट, वारानसी, उ0प्र0 ने अपने उद्बोधन एवं लोक गीतों के गायन से समस्त प्रतिभागियों को झूमने पर विवश कर दिया। आसाम, उ0प्र0, बंगाल एवं अन्य पूर्वोत्तर राज्यों से संबन्धित गीतों चैती, कजरी, आल्हा, लोक धुनों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होने कहा कि लोक गीत या लोक धुनें सहज सरल एवं बन्धनों से मुक्त होती है। जो आम जन मानस की समझ की सीमा के अन्दर अपना प्रभाव प्रदर्शित करती है। उनके अनुसार मनुष्य के जीवन का हर पल या हर संस्कार लोक गीतों एवं लोक नृत्यों के सयोजन का पुलिन्दा है। कृषि कार्यो या मेहनत के कामों में लोक गीतों का प्रयोग किसानों या कामगारों को आन्नदित करते हुये काम की थकान को कम करने में सहायक है। उनके गाये कई लोक गीतों में हल सम्भयालयों हाईयों और ओ मांझी चालियो जाओं ने सभी श्रोताओ एवं दर्शकों के मन को प्रसन्न कर दिया।

इस वेबिनार के मुख्य अतिथि डा0 डा0 एच0पी0 सिंह, संयुक्त निदेशक उ0 शि0 उ0 प्र0 ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवश 31 अक्टूबर 2015 को राष्ट्रीय एकता दिवश के अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री के द्वारा राष्ट्र की एकता अखंडता को और अधिक सुदृढ करने के लिये एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान को आरम्भ करते हुये राज्यों

को एक दूसरे के सांस्कुतिक एवं सामाजिक पहलुओं को अध्ययन करने एवं अपने सांस्कृतिक व्यवस्थाओं में उन्हे खोजने की बात कही। वेविनार के सयोंजक डा0 रमेश बाबू ने उद्धाटन सत्र में सम्मिलित समस्त आगन्तुको को धन्यवाद दिया। आज के वेबिनार के संचालन का कार्य डा0 सरिता गुप्ता ने किया। वेबिनार के प्रथम तकनीकी सत्र की रिसोर्स परसन डा0 आरती मिश्रा, मिजोरम केन्द्रिय विश्वविद्यालय ने मिजोरम के लोक नृत्यों पर पावर प्वाईन्ट के जरिये विस्तृत चर्चा की। अरूनांचल प्रदेश से गोगे बाम गायक कलाकार ने अपने प्रदेश के लोगों के जन्म, विवाह एवं लोक से विदा में गाये जाने वाले लोक गीतों को गाकर एवं उनके बारे में चर्चा कर आज के कार्यक्रम को जीवन्त कर दिया। इस सत्र में चेयर परसन डा0 गुलसन सक्सेना ने सभी आये हुये आगन्तुको को घन्यवाद देते हुये चर्चा का सार प्रस्तुत किया।
द्वितीय तकनीकी सत्र में रिसोर्स परसन के रूप में सम्मिलित श्री बुद्धहाफरांग लिंगदोह, सेंट एन्थेनी कालेज, शिलांग ने पावर प्वाईन्ट के जरिये मेघालय पदेश के आदिवासी लोगो के द्वारा विभिन्न अवसरों पर गाये एवं प्रयोग किये जानेवाले लोक गीत, लोक नृत्य एवं लोक वादृय यंत्रों के बारे में गंभीर एवं सार पूर्ण चर्चा की। उन्होने कई लोक वाद्य यांत्रों को बजा कर प्रदर्शित भी किया। इसी सत्र में महाराना प्रताप महाविद्यालय, मोहनिया, बिहार से डा0 अनामिका सिह ने जम्मू एवं कश्मीर राज्य के लोक वाद्य यंत्रों को पावर प्वाईन्ट के जरिये प्रदर्शित करने के साथ ही उनके प्रयोग एवं बनावट पर विस्तृत चर्चा की। इस सत्र में डा0 रेखा वर्मा ने सभी आगन्तुको को धन्यवाद देते हुये सत्र के सारगर्भित विचार रखे। इस अवचर पर महाविद्यालय परिवार के समस्त प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्राचार्य